छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद (सीकॉस्ट) द्वारा जन उपयोग हेतु अत्यंत कम लागत की सेनिटाईजेशन टनल विकसित

कोविड – 19 के वर्तमान परिदृश्य में, भारत खुद को इस प्रकोप से लड़ने के लिए नवीन विचारों और नवाचारों से जोड़ रहा है। देश में विकसित स्वचालित मास्क मशीनों के निर्माण से लेकर उन्नत चिकित्सा उपकरणों और पीपीई आदि तक, नवाचार न केवल इंजीनियरों और डॉक्टरों, बल्कि स्टार्ट अप्स, छात्रों और सामान्य लोगों द्वारा किया जा रहा है तथा जनमानस को भी प्रभावित कर रहा है। कोविड – 19 प्रसार ने सार्वजनिक स्थानों पर लोगों और क्षेत्रों के डीसइन्फक्टंट और स्वच्छता के क्षेत्र में कई नवाचार विकसित किए हैं। इसने अल्ट्रावियोलेट कीटाणुनाशक उपकरणों द्वारा कोविद –19 कारक के प्रसार को रोकने के लिए भी नवाचारों विकसित किए गए हैं। डिसइन्फेक्टेंट टनल के क्षेत्र में कई मॉडल हैं जो हाल के महीनों में विकसित किए गए हैं। डिसइन्फेक्टेंट टनल मुख्य रूप से दो प्रकार की रही हैं :– 1. ड्राई सेनिटाईजेशन और 2. वेट सेनिटाईजेशन।

विकसित की गई वेट सैनिटाइजेशन सुरंगें विभिन्न आकार, आकार और लागत में आती हैं जिनकी बेसिक मॉडल की लागत लगभग रु 25000 से लेकर हाई–एंड स्टील और क्रोम सुरंग जिसमें विभिन्न सेंसर और कन्वेयर बेल्ट और ट्रैफिक लाइट युक्त टनल की लागत लगभग रु 2.5 लाख रुपये तक है। अधिक लागत वाली प्रसंस्कृत टनल के साथ समस्या जनता तक पहुंच है तथा कम लागत वाली सुरंग के साथ समस्या सुरंग की गुणवत्ता और प्रभावकारिता है।

छत्तीसगढ़ विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद, राज्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास हेतु नोडल एजेंसी के रूप में एवं राज्य में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है। छत्तीसगढ़ विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद एवं स्पैन यूनिवर्सल (स्टूडेंट स्टार्ट अप) द्वारा आम जनमानस की पहुँच हेतु सेंसर युक्त, उच्च गुणवत्ता की टनल विकसित की गयी है तथा परिषद में इसका परीक्षण किया जा रहा है। टनल की कुल लागत केवल रु 14500.00 है। टनल हल्के वजन की संरचना है और सेंसर के साथ है। कम लागत की यह टनल जनमानस को सुलभ हो सकेगी। स्टार्टअप द्वारा वर्तमान में टनल डिजाइन का भी प्रचार एवं इंस्टालेशन किया जा रहा है।